Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

समकालीन समाज में विवाह विच्छेद के कारणों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

ऋतु गुर्जर* डॉ. लवली भाटी**

*** शोध छात्रा (समाजशास्त्र) माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.) भारत**

**** सहायक आचार्य (समाजशास्त्र) माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.) भारत**

शोध सारांश – प्रस्तुत शोध पत्र उदयपुर जिले के तलाकशुदा पुरूषों एवं महिलाओं के विवाह विच्छेद के कारणों के अध्ययन पर आधारित है।भारतीय समाज में विवाह को एक महत्वपुर्ण संस्कार माना गया है। परिवार के संचालन में पति पत्नी की अह्म भूमिका रहती है। दोनों को समान रूप से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहण करना होता है। कभी–कभी किसी ना किसी दाम्पत्य जीवन में कई ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती है। जिससे विवाह विच्छेद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। शोधार्थी द्वारा विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों का अध्ययन किया जिसमें वैवाहिक संवाद और विश्वास की कमी, घरेलू हिंसा, नशा और असम्मानजनक व्यवहार, आर्थिक दबाव और पारिवारिक हस्तक्षेप, असंगतता और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं में अंतर, सामाजिक दबाव, तकनीकी हस्तक्षेप और परामर्श की विसंगतियां पाई गयी। वैवाहिक संबंधों में कई परिस्थितियों में विचारों और भावनाओं की खुलकर अभिव्यक्ति नहीं होती। जीवनसाथी पर विश्वास की कमी वैवाहिक असंतोष को जन्म देती है। संवाद की कमी के कारण गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं। विश्वास और आपसी समझ का अभाव वैवाहिक जीवन को प्रभावित करता है। आत्म–सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले व्यवहार वैवाहिक जीवन में दूरी का कारण बनते हैं। आर्थिक जिम्मेदारियां एवं फिजुलखर्ची को लेकर वैवाहिक मतभेद उत्पन्न होते हैं। शैक्षिक स्तर की भिन्नता एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की स्वच्छंद जीवनशैली भी कंही ना कंही विवाह विच्छेद के दरवाजे पर दस्तक देती है।

प्रस्तावना – हमारे सौरमण्डल में हमारी पृथ्वी पर जीवन संभव है। यहां प्रकृति ने जीवन यापन हेतु उपयुक्त पर्यावरण निर्मित किया गया है। यहां प्राकृतिक सम्पदा में जल, थल, वायु सभी है और इन सभी से उत्पन्न अपार वनस्पति उपलब्ध है। इस धरा पर विभिन्न जीव जन्तु पाये जाते है। पृथ्वी पर मानव सभ्यता ने विकास को कई उंचाईयों तक पहूंचाया है। मानव सभ्यता में पुरूष एवं महिला है। जो परिवार का निर्माण करते है। बहुत से परिवार मिलकर समाज कहलाता है। और विभिन्न समाज मिलकर एक सभ्यता का निर्माण करती है। ये सभ्यताऐं मिलकर किसी राष्ट्र को विकसित राष्ट्र के रूप में ले जाती है। पुरूष और महिला को जोड़ने के लिए विवाह एक प्रमुख संस्कार है जिसके द्वारा पुरूष और महिला अपने परिवार का निर्माण करते है एवं अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाते है।

विवाह महिलाओं और पुरूषों को पारिवारिक जीवन में प्रवेश करवाने की संस्था है। जिसे संस्था द्वारा मानव सामाजिक, सम्बन्धों का नियमन करता है उसे विवाह की संज्ञा दी जाती हैं। विवाह एक प्रजनन मूलक परिवार की स्थापना की समाज स्वीकृत विधि हैं। विवाह महिला और पुरूषो के बीच एक अनुबन्ध है जिसे सभी समाज धर्मो एवं कानुन द्वारा सर्वमान्य माना गया है। विवाह व्यक्तित्व एवं समाज का निर्माण का आधार है जिस पर समाज की बुनियाद टिकी हुई है।

विवाह सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था व एकता स्थापित करने वाली एक प्रमुख सार्वभौमिक संस्था है। विवाह जीवन को सुखद एवं प्रगति पद बनाने में सहायक है जबसे सृष्टि का निर्माण हुआ है तबसे ही महिला एंव पुरूष एक दुसरे पुरक माने गए है। दोनो एक सिक्के के दो पहलु है। वर्तमान परिवेश में विवाह मात्र औपचारिक बनकर रह गया है। इसके दुष्परिणाम धीरे–धीरे समाज में विवाह विच्छेक के रूप में परिदृष्य होने लगे है। प्रस्तुत शोध में विवाह विच्छेद के कारणों को जानने का प्रयास किया गया है।

शोध प्रश्न:

1. समाज में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारण कौनसे है?
2. पुरूष और महिलाओं के वैवाहिक जीवन में किन समस्याओं के कारण विवाह विच्छेद की स्थिति उत्पन्न होती है।

शोध उद्देश्य:

1. समकालीन समाज में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों का अध्ययन करना।
2. तलाकशुदा पुरुषों एवं तलाकशुदा महिलाओं के दृष्टिकोण में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों की तुलना करना।

शोध परिकल्पना:

1. तलाकशुदा पुरुषों एवं तलाकशुदा महिलाओं के दृष्टिकोण में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

शोध परिसीमन:

1. प्रस्तुत शोध कार्य को उदयपुर जिले तक सीमित रखा गया।
2. प्रस्तुत शोध कार्य में उदयपुर जिले के विवाह विच्छेद हो चुके महिलाओं एवं पुरूषों को ही सम्मिलित किया गया।

न्यादर्श चयन :उपर्युक्त शोध हेतु सौद्देश्य प्रतिचयन विधि द्वारा न्यादर्श

चयन किया गया जो इस प्रकार है :-

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा समकालीन समाज में विवाह विच्छेद के कारणों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन की पृष्ठभुमि का पता लगाने हेतु तलाकशुदाओं महिलाओं एवं पुरूषों का सौद्देश्य विधि से चयन किया गया। प्रस्तुत शोध हेतु शोधार्थी द्वारा न्यादर्श चयन हेतु उदयपुर जिले के विवाह विच्छेद हो चुके मामलों को ही सम्मिलित किया गया। 200 तलाकशुदा मामलों में 100 महिलाऐं और 100 पुरूषों को सम्मिलित किया गया।

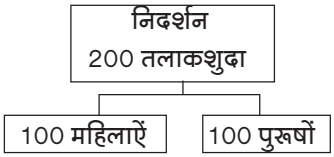

शोध विधि, प्रविधि, उपकरण

1. **शोध विधि:** इस शोध में शोधकर्त्ता ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

2. **शोध प्रविधि:** प्रस्तुत शोध से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण हेतु सांख्यिकी प्रविधियों में 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया।

3. **शोध उपकरण:** प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सर्वेक्षण द्वारा आंकडों के संकलन हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है, जो इस प्रकार है:-

स्वनिर्मित उपकरण :-विवाह-विच्छेद के कारणों की प्रश्नावली का उपयोग किया गया।

परिणामों का विश्लेषण एवं व्याख्या

उद्देश्य 1 :समकालीन समाज में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों का अध्ययन करना।

विश्लेषण -शोधार्थी द्वारा तलाकशुदा पुरुषों एवं महिलाओं के अभिमत के आधार पर विवाह विच्छेद के कारणों का अध्ययन किया गया है। विवाह विच्छेद के कारणों में कुल पांच क्षेत्रों जिसमे वैवाहिक संवाद और विश्वास की कमी, घरेलू हिंसा, नशा और असम्मानजनक व्यवहार, आर्थिक दबाव औरपारिवारिक हस्तक्षेप, असंगतता और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं में अंतर, सामाजिक दबाव, तकनीकी हस्तक्षेप और परामर्श की अनुपस्थिति के आधार पर समंकों का विश्लेषण किया गया है।

सारणी संख्या 1 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

उद्देश्य सं. 2. : तलाकशुदा पुरुषों एवं तलाकशुदा महिलाओं के दृष्टिकोण में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों की तुलना करना।

सारणी संख्या 2, आरेख संख्या 2 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

विश्लेषण - सारणी 2 को देखने पर यह स्पष्ट होता है तलाकशुदा पुरुषों काविवाह विच्छेद के कुल कारणों का मध्यमान96.85 एवं तलाकशुदा महिलाओं का मध्यमान 100.88 प्राप्त हुआ। मध्यमान अन्तर 4.03 तथा 'टी' मान 4.893 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तरपर सार्थक है। तात्पर्य है की तलाकशुदा पुरुषों एवं तलाकशुदा महिलाओं के दृष्टिकोण में 'विवाह विच्छेद के कुल कारणों' में सार्थक अन्तर है। (P =0.000, P<0.05)मध्यमान अंकों को देखने पर यह स्पष्ट होता है की तलाकशुदा महिलाएं तलाकशुदा पुरुषों के तुलना में विवाह विच्छेद के अधिक कारण मानती है। विवाह विच्छेद के कुल कारणों के विश्लेषण में यह देखा गया कि तलाकशुदा महिलाओं का कुल माध्य पुरुषों की तुलना में अधिक है, जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि महिलाएं विवाह विच्छेद के पीछे अधिक विविध और गहरे कारण अनुभव करती हैं। महिलाएं रिश्तों में अधिक भावनात्मक निवेश करती हैं और उन्हें सामाजिक, मानसिक, और व्यवहारिक दृष्टिकोण से अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पुरुष अपेक्षाकृत सीमित कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जबकि महिलाएं अनेक परतों में विवाह की समस्याओं को देखती हैं, जिससे वे विवाह विच्छेद के लिए अधिक कारकों को उत्तरदायी मानती हैं।

परिकल्पना सं. 1. : तलाकशुदा पुरुषों एवं तलाकशुदा महिलाओं के दृष्टिकोण में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों में सार्थक अन्तर नहीं होता है।

निष्कर्ष-समंकों के विश्लेषण प्राप्त परिणामों के आधार परपरिकल्पना 'तलाकशुदा पुरुषों एवं तलाकशुदा महिलाओं के दृष्टिकोण में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों में सार्थक अन्तर नहीं होता है'को अमान्य सिद्ध किया गया।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष - प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्राप्त दत्तों का विश्लेषण करने के पश्चात् निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए।

1. समकालीन समाज में विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों के अध्ययन करने पर प्रमुख कारण सामने आऐं जिसमें वैवाहिक संवाद और विश्वास की कमी, घरेलू हिंसा, नशा और असम्मानजनक व्यवहार, आर्थिक दबाव और पारिवारिक हस्तक्षेप, असंगतता और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं में अंतर, सामाजिक दबाव, तकनीकी हस्तक्षेप और परामर्श की अनुपस्थिति पाई गयी। वैवाहिक संबंधों में विचारों और भावनाओं की खुलकर अभिव्यक्ति नहीं होती। जीवनसाथी पर विश्वास की कमी वैवाहिक असंतोष को जन्म देती है। संवाद की कमी के कारण गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं।विश्वास और आपसी समझ का अभाव वैवाहिक जीवन को प्रभावित करता है। आत्म-सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले व्यवहार वैवाहिक दूरी का कारण बनते हैं। आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर वैवाहिक मतभेद उत्पन्न होते हैं।

2. विवाह विच्छेद के प्रमुख कारणों का तलाकशुदा पुरुषों के दृष्टिकोण का अध्ययन करने पर कुल तलाकशुदा पुरुषों में से 'वैवाहिक संबंधों में विचारों और भावनाओं की खुलकर अभिव्यक्ति नहीं होती' के 26 प्रतिशत सहमत एवं 52 प्रतिशत अत्यधिक सहमत पाए गए।कुल तलाकशुदा पुरुषों में से जीवनसाथी पर विश्वास की कमी वैवाहिक असंतोष को जन्म देती है' के प्रति 23 प्रतिशत सहमत एवं 63 प्रतिशत अत्यधिक सहमत पाए गए।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. पाण्डेय, डॉ. रामशकल (2014),'विश्व के श्रेष्ठ शिक्षाशास्त्री', श्री विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2. व्यास, डॉ. भगवतीलाल (2016),'समकालिन भारत और शिक्षा', राधा प्रकाशन प्रा. लि., आगरा।
3. कपिल, एच.के. (2007)'अनुसंधान विधियाँ', एच.पी. भार्गव बुक हाउस 4/230, कचहरी घाट, आगरा
4. कपिल, एच.के. (2010) 'सांख्यिकी के मूल तत्व', अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा-2
5. Berman, P. & McLaughlin, M. (1978) Implementation of education innovation. Educational Forum, 40 (3) 345-370
6. हसन, गुल और मुहमूदयासीन, महमूद अमीर (2023) द्वारा विवाह विच्छेद और उसके कारण : केच (मकराना) का केस अध्ययन' वार्तालाप, अप्रेल जून खण्ड 18 अंक 2 PP 48-65
7. मुताहबोवन, अमीनेवा मंजुरा (2022) 'पारिवारिक विवाह विच्छेद के कारण और उसके निवारण के मुद्दे' जनरल ऑफ पॉजिटीव स्कूल साइकोलॉजी, 2022, Vol. 06, 11,1565-1572.

सारणी संख्या 1

विवाह विच्छेद के कारण	असहमत		उदासीन		सहमत		अत्यधिक सहमत	
	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
वैवाहिक संवाद और विश्वास कीकमी								
वैवाहिक संबंधों में विचारों और भावनाओं की खुलकर अभिव्यक्ति नहीं होती	21	14	1	16	26	26	52	44
जीवनसाथी पर विश्वास की कमी वैवाहिक असंतोष को जन्म देती है	14	19	0	15	23	18	63	48
संवाद की कमी के कारण गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं	11	25	2	15	25	13	62	47
पारदर्शिता और खुलापन वैवाहिक जीवन में प्राय:नहीं पाया जाता है	27	26	1	11	19	25	53	38
विश्वासऔर आपसी समझ का अभाव वैवाहिक जीवन को प्रभावित करता है	22	23	1	17	19	21	58	39
घरेलू हिंसा, नशा और असम्मानजनक व्यवहार								
वैवाहिक जीवन में शारीरिक या मानसिक हिंसा जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं	16	2	51	19	22	13	11	66
नशे कीआदत वैवाहिक तनाव को बढ़ा देती है	19	1	59	16	17	19	5	64
गाली-गलौज और अपमानजनक व्यवहार वैवाहिक जीवनको नुकसान पहुँचाता है	24	3	58	12	15	21	3	64
आत्म-सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले व्यवहार वैवाहिक दूरी का कारण बनते हैं	20	4	53	8	21	28	6	60
डर औरमानसिक तनाव जैसी स्थितियाँ विवाह में अस्थिरता लाती हैं	16	4	60	14	19	19	5	63
आर्थिक दबाव और पारिवारिक हस्तक्षेप								
आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर वैवाहिक मतभेद उत्पन्न होते हैं	19	21	20	16	18	22	43	41
पारिवारिक हस्तक्षेप वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न करता है	24	21	10	16	23	16	43	47
धनसंबंधी विवाद वैवाहिक असहमति को जन्म देते हैं	21	19	17	12	24	18	38	51
वित्तीय निर्णयों में पारदर्शिता और आपसी सहमति का अभाव देखा जाता है	21	16	14	19	19	15	46	50
पारिवारिक पक्षपात वैवाहिक संतुलन को बिगाड़ताहै	19	18	22	13	16	20	43	49
असंगतता और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं में अंतर								
जीवनशैलीऔर सोच में असंगतता वैवाहिक सामंजस्य को प्रभावित करती है	2	12	22	12	25	32	51	44
करियर कोअधिक प्राथमिकता देने से पारिवारिक संबंधों में दूरी आ सकती है	2	9	18	14	22	39	58	38
एक-दूसरेको पर्याप्त समय न देने से भावनात्मक जुड़ाव कम होता है	0	14	14	19	25	21	61	46
संतान कीपरवरिश को लेकर भिन्न दृष्टिकोण तनाव उत्पन्न कर सकता है	2	10	16	20	15	32	67	38
विवाह सेपूर्व एक-दूसरे को ठीक से न समझ पाना वैवाहिक समस्याओं का कारण बनता है	1	6	16	25	23	36	60	33
सामाजिक दबाव, तकनीकी हस्तक्षेप और परामर्श की अनुपस्थिति								
सामाजिक दबाव में लिए गए विवाह लंबे समय में संतोषजनक नहीं रहते	19	20	15	15	24	26	42	39
सोशल मीडिया और तकनीकी लत वैवाहिक संवाद को प्रभावित करती है	21	18	18	10	27	18	34	54
वैवाहिक समस्याओं पर समय रहते परामर्श न लेने से रिश्ते बिगड़ सकते हैं	19	24	17	16	17	20	47	40
सामाजिक बदनामी का भय वैवाहिक जीवन में अनावश्यक दबाव पैदा करता है	22	19	18	10	18	29	42	42
तकनीकी हस्तक्षेप के कारण व्यक्तिगत संवाद में कमी आ जाती है	18	13	21	20	25	22	36	45

सारणी संख्या 2: तलाकशुदा पुरुषों एवं तलाकशुदा महिलाओं की विवाह विच्छेद के कारणों के क्षेत्रों के आधार पर तुलना

विवाह विच्छेदके कारण		N	माध्य	मानक विचलन	माध्य अन्तर	'टी' मान	P मान
वैवाहिक संवाद और विश्वास की कमी	तलाकशुदा पुरुष	100	20.93	2.555	1.650	4.302	0.000
	तलाकशुदा महिला	100	19.28	2.861			
घरेलू हिंसा, नशा और असम्मानजनक व्यवहार	तलाकशुदा पुरुष	100	15.59	2.045	6.610	22.663	0.000
	तलाकशुदा महिला	100	22.20	2.079			
आर्थिक दबाव और पारिवारिक हस्तक्षेप	तलाकशुदा पुरुष	100	19.22	2.549	0.500	1.370	0.172
	तलाकशुदा महिला	100	19.72	2.613			
असंगतता और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं में अंतर	तलाकशुदा पुरुष	100	21.97	1.778	1.900	5.962	0.000
	तलाकशुदा महिला	100	20.07	2.645			
सामाजिक दबाव, तकनीकी हस्तक्षेप और परामर्श की अनुपस्थिति	तलाकशुदा पुरुष	100	19.14	2.495	0.470	1.301	0.195
	तलाकशुदा महिला	100	19.61	2.613			
विवाह विच्छेद के कुल कारण	तलाकशुदा पुरुष	100	96.85	4.920	4.030	4.893	0.000
	तलाकशुदा महिला	100	100.88	6.605			

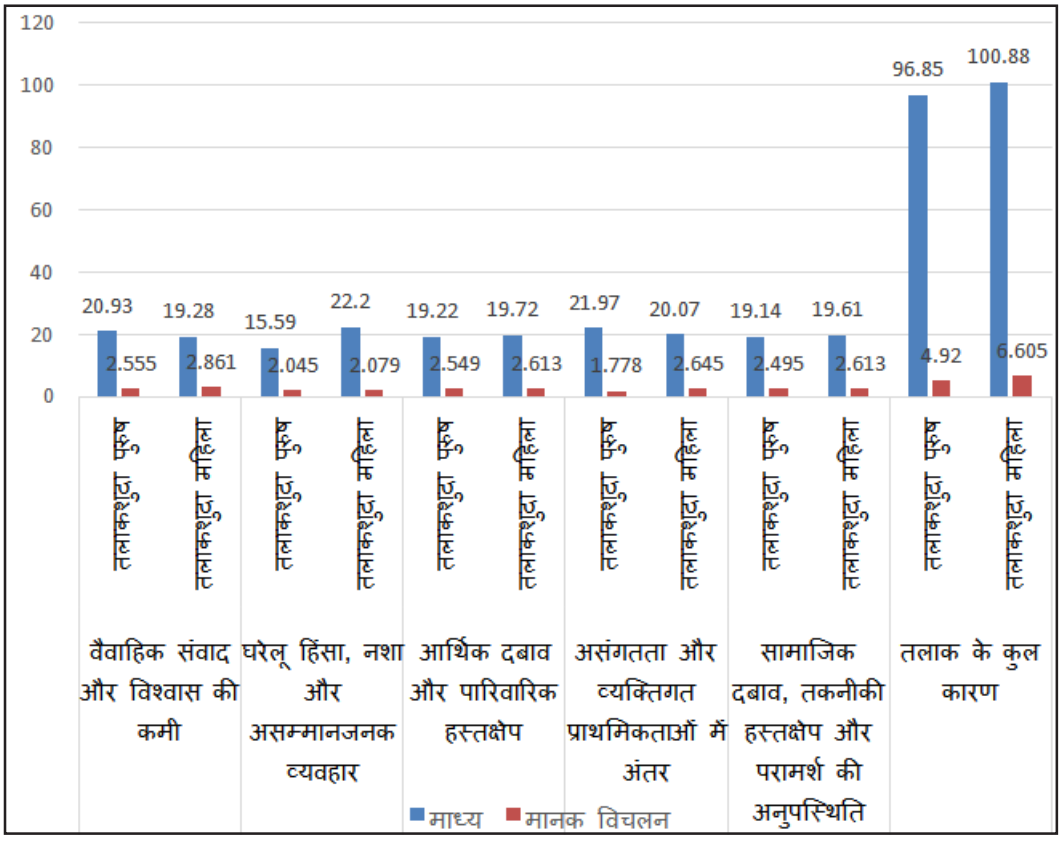

****